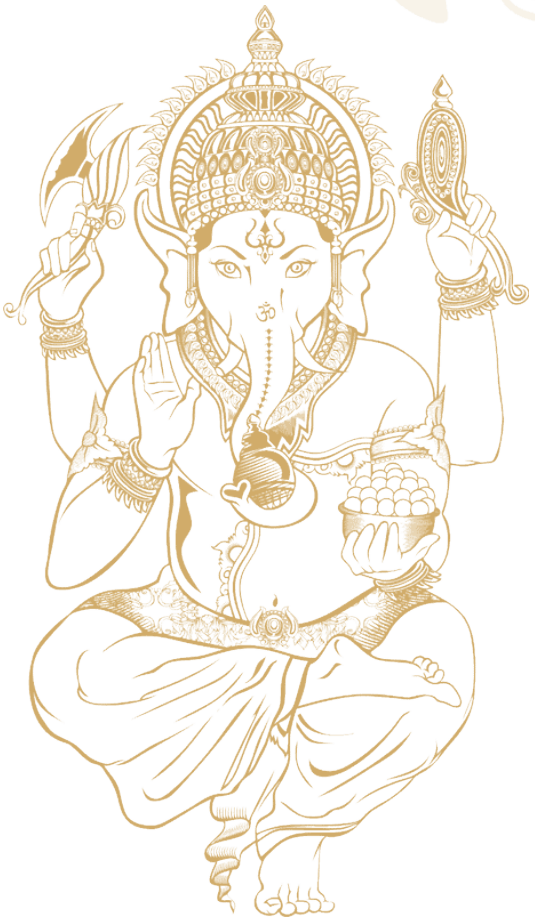

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120625110

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/05/1996	जन्म तिथि	11-12/12/1998
सोम-मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 05:00:00	जन्म समय	06:25:00 घंटे
घटी 58:59:58	जन्म समय(घटी)	58:37:05 घटी
India	देश	India
Hathras	स्थान	Agra
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:00	सूर्योदय	06:57:19
19:06:20	सूर्यास्त	17:25:00
23:48:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 8मा 12दि	05:42:58	वृष	लग्न	वृश्चि	17:53:07	चन्द्र 9वर्ष 9मा 19दि
राहु	13:07:21	वृष	सूर्य	वृश्चि	25:56:20	राहु
08/02/2013	10:23:51	कन्या	चंद्र	कन्या	10:15:41	01/10/2015
09/02/2031	24:53:25	मेष	मंगल	कन्या	14:12:06	01/10/2033
राहु 22/10/2015	25:50:33	मेष	बुध	वृश्चि	07:30:48	राहु 14/06/2018
गुरु 17/03/2018	23:00:21	धनु व	गुरु	कुंभ	25:41:13	गुरु 06/11/2020
शनि 21/01/2021	03:17:33	मिथु व	शुक्र	धनु	06:29:37	शनि 13/09/2023
बुध 10/08/2023	11:25:26	मीन	शनि व	मेष	03:12:48	बुध 02/04/2026
केतु 28/08/2024	22:07:50	कन्या	राहु व	सिंह	00:50:07	केतु 20/04/2027
शुक्र 28/08/2027	22:07:50	मीन	केतु व	कुंभ	00:50:07	शुक्र 20/04/2030
सूर्य 22/07/2028	10:37:36	मक व	हर्ष	मक	16:10:17	सूर्य 15/03/2031
चन्द्र 21/01/2030	03:43:56	मक व	नेप	मक	06:33:02	चन्द्र 12/09/2032
मंगल 09/02/2031	07:47:05	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:32:11	मंगल 01/10/2033

लग्न-चलित

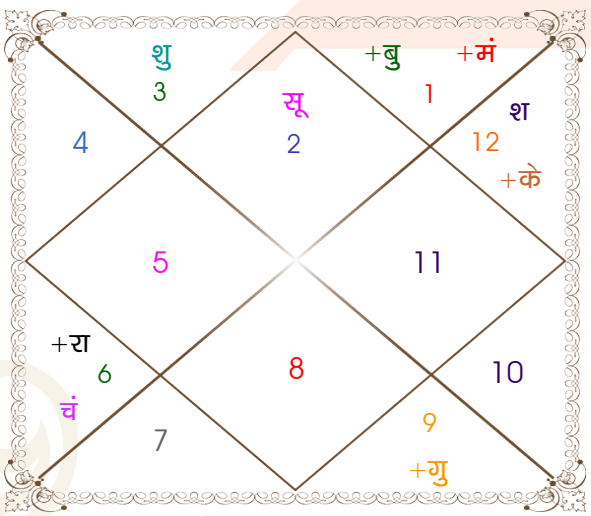

लग्न-चलित

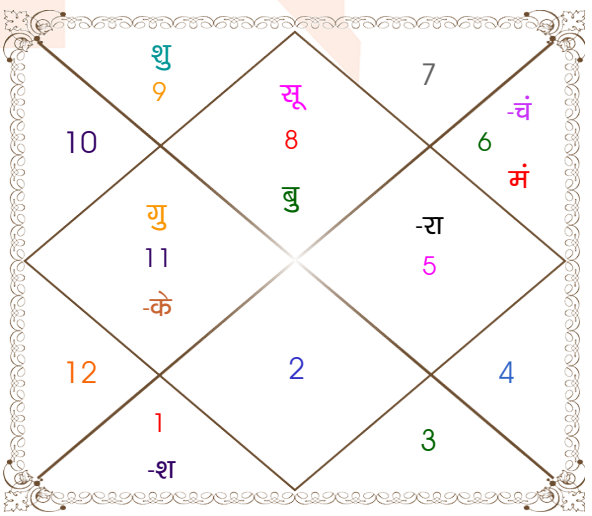

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।